(क) क्या सरकार को रामनगर (जिला नैनीताल) मोहान तक 15 मील रेलवे लाइन के निर्माण के बारे में कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है;

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा उस पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है;

(ग) क्या उत्तर प्रदेश के पहाड़ी जिलों के लोग 1914 से यह मांग कर रहे हैं और यदि हां, तो इसको लम्बित रखने के क्या कारण है; और

(घ) क्या चौथी पंचवर्षीय योजना में उस लाइन के निर्माण के लिए व्यवस्था की गई है और यदि नहीं तो इसके क्या कारणहैं ?

रेल मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) से (घ) : रामनगर से मोहान तक एक नई रेलवे लाइन के निर्माण के लिए अभी हाल में अभ्यावेदन प्राप्त हुए थे । इस लाइन के लिए अतीत में कोई सर्वेक्षण नहीं किया गया है। चौथी पंचवर्षीय योजना में लाइनों के निर्माण या लाइनों के बदलाव के लिए जो सीमित धन और साधन उपलब्ध हैं उनका प्रयोग प्रतिरक्षा कार्यों, बन्दरगाहों तथा बड़े उद्योगों के विकास और भारी खनिज यातायात के लिए आवश्यक योजनाओं के सम्बन्ध में किया जाएगा । अतः रामनगर से मोहान तक एक नयी रेलवे लाइन बनाने के प्रस्ताव को संभवतः इतनी प्राथमिकता नहीं मिल पायी जिससे कि चौथी योजना की अवधी में उस पर विचार किया जा सके और इससे बेहतर समय की प्रतीक्षा करनी पड़ेगी ।

छोटी लाइनों का बड़ी लाइनों में बदला जाना

8. **श्री जं० ब० सिं० बिष्ट** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विचार छोटी लाइनों को बड़ी लाइनों में बदलने का है;

(ख) यदि हां, तो किन छोटी लाइनों को बड़ी लाइनों में बदलने के बारे में निर्णय कर लिया गया है तथा किन लाइनों के बारे में अभी निर्णय किया जा रहा है;

(ग) क्या सरकार को मुरादाबाद-रामनगर (जिला नैनिताल) छोटी लाइन को बड़ी लाइन में बदलने के बारे में जनता से कोई ज्ञापन प्राप्त हुआ है और यदि हां, तो क्या सरकार का विचार इस लाइन को बड़ी लाइन में बदलने का है ;

(घ) क्या उक्त कार्य चौथी पंचवर्षीय योजना में पूरा हो जाएगा; और

(ङ) यदि नहीं, तो क्या उत्तर प्रदेश के पहाड़ी जिलों की अपेक्षा की जाती रहेगी ?

रेल मंत्री (डा० राम सुभाग सिंह) : (क) और (ख). सभी छोटी लाइनों को एक साथ बड़ी लाइन में बदलने का कोई प्रस्ताव नहीं है । फिर भी छोटी लाइन के किसी विशेष खण्ड को मीटर या बड़ी लाइन में बदलने के प्रश्न पर उसके गुण-दोष के आधार पर हमेशा विचार किया जा सकता है ।

(ग) से (ङ). मुरादाबाद-रामनगर एक छोटी लाइन का नहीं मीटर लाइन का खण्ड है । इसे बड़ी लाइन में बदलने के लिए अभ्यावेदन मिले हैं लेकिन इस समय इसे बड़ी लाइन में बदलने की आवश्यकता नहीं है । इस समय जो क्षमता उपलब्ध है वह वर्तमान यातायात और निकट भविष्य में प्रत्याशित यातायात की जरूरतें पूरी करने के लिए पर्याप्त है ।

कुमाऊं (उत्तर प्रदेश) में कुटीर उद्योग

9. **श्री जं० ब० सिं० बिष्ट** : क्या **वैदेशिक व्यापार तथा पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान कुमाऊं

(उत्तर प्रदेश) में कुटीर उद्योगों की अपर्याप्तता की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार इस पिछड़े हुए पहाड़ी क्षेत्र में कुछ और कुटीर उद्योगों की स्थापना करने का है ताकि उस क्षेत्र का औद्योगिक विकास हो सके ;

(ग) यदि हां, तो चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में कितने और किस प्रकार के कुटीर उद्योगों की स्थापना की जाएगी और इसके लिए कितना धन आवंटित किया गया है ; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ?

वैदेशिक व्यापार तथा पूर्ति मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री चौधरी राम सेवक) : (क) से (ख). जानकारी एकत्र की जा रही है और यथासमय सभा-पटल पर रख दी जायेगी ।

India Wigs Ltd.

10. SHRI S. K. TAPURIAH :
SHRI MANGALATHUMADAM :

Will the Minister of FOREIGN TRADE AND SUPPLY be pleased to state :

(a) the value of wigs manufactured by the India Wigs Ltd. up-till now ;

(b) the value of wigs exported by it; and

(c) whether it is a fact that the collaborators have not kept up their commitment for the purchases ?

THE DEPUTY MINISTERY OF FOREIGN TRADE AND SUPPLY (SHRI CHOWDHARY RAM SEWAK) : (a) The value of wigs manufactured upto 31st December, 1968 is Rs. 60,23,933/-.

(b) The value of exports upto December, 1968 is Rs. 36,41,112/-.

(c) During 1967 the buyers in the U.S.A. purchased all goods manufactured in the factory. During 1968, the orders placed by the U. S. firm were not to the full extent indicated in the contract.

Completion of Bokaro Steel Project

11. SHRI NAMBIAR :
SHRI HARDAYAL DEVGUN :
SHRI N. K. SANGHI :
SHRI BHAGABAN DAS :
SHRI GANESH GHOSH :
SHRI R. R. SINGH DEO :
SHRI K. P. SINGH DEO :
SHRI CHENGALRAYA NAIDU :
SHRI S. M. BENERJEE :
SHRI A. SREEDHARAN :
SHRI GEORGE FERNANDES :
DR. KARNI SINGH :
SHRI HIMATSINGKA :
SHRI P. C. ADICHAN :
SHRI S. K. TAPURIAH :
SHRI K. LAKKAPPA :
SHRI M. N. REDDY :
SHRI SRADHAKAR SUPAKAR :
SHRI RABI RAY :
SHRI Y. A. PRASAD :
SHRI RAMCHANDRA VEERAPPA :

Will the Minister of STEEL, MINES AND METALS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Bokaro Steel Project due to be completed by the end of 1971 is likely to be delayed by a few months ;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) when the project is likely to be completed ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND HEAVY ENGINEERING (SHRI K. C. PANT) : (a) Yes, Sir.

(b) The reason is the difficulty in manufacture of indigenous equipment and